पुरानी दुनिया से दिल नही लगानी
इसमें अब कोई सार नही
बाप की याद टूटी तो सजा पड़े खानी
किसी से सेवा नही लेनी
तुम हो खुद सर्वेंट
और हो बाप पर डिपेंडेंट
एक बार हुई भूल दुबारा नही करनी
अहंकार में आना नही
बेसमझी का कोई काम नही करना
बाप समान इच्छा मातरम् अविद्या बनना
केस और किस्से करने समाप्त
स्मृति में बनो बिन्दु
ज्ञान,गुण और धारणा में बनो सिन्धू

ॐ शांति!!!
मेरा बाबा!!!